शनिवार

14 नवम्बर 2026

● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 293
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बड़ोनी की गिरफ्तारी के विरोध में

बजरंग दल ने किया एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। लूट के मामले में बजरंग दल के कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के विरोध में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

उल्लेखनीय है पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने बजरंग दल के कार्यकर्ता सिद्धांत बडोनी को 14 लाख रूपये की लूट के मामले में कथित संलिप्तता सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया था। सिद्धांत बडोनी के बजरंग दल से जुडे होने के कारण संगठन ने अब उसकी गिरफ्तारी और पुलिस जांच प्रक्रिया को लेकर आपत्ति दर्ज करायी है। जिसके चलते आज बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि सिद्धांत बडोनी को लूट के मामले में बेवजह फंसाया गया है।



उन्होंने पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करते समय तथ्यों और साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पदाधिकारियों ने मामले में बडोनी की भूमिका की स्वतंत्र और पारदर्शी जांच कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धांत बडोनी की गिरफ्तारी के दौरान निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का सही तरीके से पालन नहीं किया गया।

संगठन का कहना है कि पुलिस द्वारा की गयी कार्रवाई में विधिक प्रावधानों के अनुपालन को लेकर कई सवाल है। हालांकि संगठन की ओर से लगाये गये इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामले में शामिल होने के आरोप है तो उसके खिलाफ कार्रवाई निष्पक्ष जांच और ठोस साक्ष्यों के आधार पर ही होनी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि सिद्धांत बडोनी की गिरफ्तारी से लेकर अब तक हुई पुलिस कार्रवाई की समीक्षा की जाए और यह सुनिश्चित किया जाये कि संबंधित व्यक्ति के कानूनी अधिकारों का उल्लंघन न हुआ हो। उन्होंने पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र जांच एजेंसी के माध्यम से मामले की जांच होने में मदद मिल सकती है। उन्होंने दावा किया है इससे सिद्धांत बडोनी की कथित संलिप्तता और पुलिस की कार्रवाई से जुडे सवालों का समाधान हो सकेगा। प्रदर्शन के बाद उन्होंने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

आमने-सामने बजरंग दल और पुलिस

◆कार्यकर्ता सिद्धांत बड़ोनी की गिरफ्तारी से भड़का विवाद

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में 14 लाख रुपये की लूट का मामला अब केवल आपराधिक जांच तक सीमित नहीं रह गया है। इस मामले में बजरंग दल के कार्यकर्ता सिद्धांत बड़ोनी की गिरफ्तारी के बाद संगठन और पुलिस आमने-सामने आ गए हैं। एक तरफ पुलिस लूट की वारदात में सात आरोपियों की गिरफ्तारी और नकदी की बरामदगी को अपनी कार्रवाई की सफलता बता रही है, वहीं दूसरी तरफ बजरंग दल ने पुलिस की जांच और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। संगठन ने अपने कार्यकर्ता को झूठे मामले में फंसाने, हिरासत में अमानवीय व्यवहार करने और प्रताड़ित करने के आरोप लगाते हुए पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग की है। इतना ही नहीं, मांग पूरी नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है।

इस पूरे घटनाक्रम ने दून पुलिस के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। अब सवाल केवल 14 लाख रुपये की लूट का नहीं, बल्कि पुलिस की जांच की निष्पक्षता और हिरासत में आरोपी के साथ किए गए कथित व्यवहार का भी है। दूसरी ओर, संगठन के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच जरूरी है, ताकि सच्चाई सामने आ सके। मामला पटेलनगर कोतवाली क्षेत्र के इंद्रेश अस्पताल के पास का है। पुलिस के अनुसार, सात नवंबर को राजेश कुमार सोनी अपने साथियों दिनेश तिवारी, ओमकार और गुरविंदर के साथ प्लॉट के सौदे के सिलसिले में 14 लाख रुपये लेकर जा रहे थे। इसी दौरान कुछ युवकों ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि मारपीट कर रुपयों से भरा बैग लूट लिया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस ने नौ नवंबर को तीन आरोपियों सरवजीत सिंह उर्फ हैप्पी, जसमीत सिंह और शक्ति सिंह को गिरफ्तार किया। इसके बाद कर्ण यादव और सोहेल अख्तर उर्फ साहिल को भी गिरफ्तार किया गया। 11 नवंबर को पुलिस ने फरार चल रहे सिद्धांत बड़ोनी और दीपक सिंह शेखावत को रुद्रप्रयाग के गुप्तकाशी से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, अब तक सात आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं और कुल 3.02 लाख रुपये बरामद हुए हैं। सिद्धांत बड़ोनी की गिरफ्तारी के बाद मामला नया मोड़ लेने लगा। सिद्धांत बजरंग दल से जुड़ा हुआ है। संगठन ने उसकी गिरफ्तारी को लेकर

◆प्रताड़ना और फर्जी फंसाने के आरोप, पुलिस मुश्किल में
◆सीबीआई जांच की मांग, आंदोलन करने की दी चेतावनी

पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। संगठन से जुड़े पदाधिकारियों का दावा है कि सिद्धांत का लूट की वारदात से कोई सीधा संबंध नहीं है। वह कथित सड़क दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंचा था और घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने में मदद कर रहा था।

बजरंग दल ने पुलिस की ओर से बताए गए घटनाक्रम और सीसीटीवी फुटेज के बीच अंतर होने का भी दावा किया है। संगठन के अनुसार, पुलिस स्कूटी सवार की ओर से कार को टक्कर मारने की बात कह रही है, जबकि फुटेज में कार से स्कूटी को टक्कर लगती दिखाई देने का दावा किया गया है। संगठन ने घटनास्थल के सभी सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने और उनकी स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। 13 नवंबर को रेसकोर्स स्थित विश्व हिंदू परिषद कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बजरंग दल के क्षेत्र संयोजक अनुज वालिया, अधिवक्ता एवं संगठन के कानूनी सलाहकार जे. कुमार रवि, प्रांत संयोजक पूरन जोशी और अन्य पदाधिकारियों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए।

संगठन का आरोप है कि सिद्धांत बड़ोनी को हिरासत में लेकर प्रताड़ित किया गया। उसे जंगल में ले जाकर मुठभेड़ की धमकी देने, थाने में निर्वस्त्र कर पीटने, उस पर पेशाब करने और संगठन तथा पहाड़ विरोधी नारे लगवाने का दबाव बनाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए। पदाधिकारियों का कहना है कि सिद्धांत ने अदालत में पेशी के दौरान भी अपने साथ हुए कथित अमानवीय व्यवहार की जानकारी दी है। बजरंग दल ने साफ किया कि संगठन किसी आरोपी को कानून से ऊपर नहीं मानता। यदि सिद्धांत दोषी है तो उसे कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए, लेकिन जांच के नाम पर किसी के साथ अमानवीय व्यवहार स्वीकार नहीं किया जा सकता।

बजरंग दल ने पटेलनगर कोतवाली के इंस्पेक्टर नरेश राठौर की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। संगठन से जुड़े एक नेता ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर इंस्पेक्टर पर भ्रष्टाचार, संपत्तियों और आर्थिक लेनदेन की जांच कराने की मांग की। पुलिस अधिकारी पर युवाओं को झूठे मामलों में फंसाने और फर्जी मुठभेड़ जैसे गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। संगठन ने शिकायतकर्ता और कथित आरोपियों के बीच पूर्व कारोबारी संबंध होने का दावा करते हुए संबंधित बैंक खातों, संपत्तियों और प्लाट के सौदे से जुड़े दस्तावेजों की जांच की मांग की है। संगठन का सवाल है कि यदि 14 लाख रुपये प्लॉट के सौदे के लिए ले जाए जा रहे थे तो उससे संबंधित अनुबंध, बयाना और भुगतान के दस्तावेज भी जांच के दायरे में आने चाहिए।

बजरंग दल ने पूरे मामले की सीबीआई

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

दून वैली मेल

संपादकीय

आसमान में बेबसी

दुनिया को तकनीक का भविष्य दिखाने वाला अमेरिका शुक्रवार को उस समय खुद अपनी तकनीकी व्यवस्था के सामने बेबस नजर आया, जब हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों की संचार व्यवस्था में आई खराबी ने पूरे देश की विमानन व्यवस्था को हिलाकर रख दिया। अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन को सुरक्षा के मद्देनजर देशभर से उड़ान भरने वाली विमानों को रोकने का आदेश देना पड़ा। हजारों उड़ानें प्रभावित हुईं। विमान हवाई अड्डों पर खड़े रहे, यात्री परेशान होते रहे और दुनिया की सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं में शामिल अमेरिका की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। बाद में प्रतिबंध हटा लिया गया, लेकिन इस घटना ने जो सवाल छोड़े हैं, वह कहीं अधिक गंभीर हैं। यह महज कुछ घंटों की उड़ान बाधा नहीं थी। यह उस व्यवस्था की परीक्षा थी, जो आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल क्रांति के दम पर दुनिया का नेतृत्व करने का दावा करती है। जिस देश के पास अत्याधुनिक लड़ाकू विमान हैं, अंतरिक्ष में उपग्रहों का विशाल नेटवर्क है, जो दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था को दिशा देता है, उसी देश का नागरिक विमानन तंत्र संचार व्यवस्था में आई गड़बड़ी के कारण ठहर गया। सवाल है कि क्या तकनीकी महाशक्ति होने का अर्थ केवल नई तकनीक विकसित करना है या अपनी बुनियादी व्यवस्थाओं को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाए रखना भी उसकी जिम्मेदारी है? अमेरिका के हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों में संचार संबंधी समस्या सामने आने के बाद एफएए ने एहतियातन देशभर में उड़ानों के प्रस्थान पर रोक लगा दी। परिवहन अधिकारियों के मुताबिक समस्या देश के 22 क्षेत्रीय हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों को प्रभावित कर रही थी। विमानों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए यह कदम उठाया गया। इस दौरान हजारों उड़ानें विलंबित हुईं और बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। उड़ान निगरानी सेवाओं के आंकड़ों के अनुसार व्यवधान के दौरान दस हजार से अधिक उड़ानें विलंबित हुईं। अंततः करीब चार घंटे बाद प्रतिबंध हटाया गया, लेकिन सामान्य परिचालन बहाल होने में और समय लगना स्वाभाविक था। इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि समस्या किसी विमान के इंजन में नहीं, किसी हवाई अड्डे के रनवे पर नहीं, बल्कि उन संचार केंद्रों में थी, जिनके भरोसे हजारों विमान आसमान में अपनी दिशा और दूरी तय करते हैं। विमानन व्यवस्था में पायलट और हवाई यातायात नियंत्रकों के बीच संपर्क केवल औपचारिक संवाद नहीं होता। यह यात्रियों की सुरक्षा की बुनियादी शर्त है। हवा में उड़ रहे विमानों को सुरक्षित रास्ता देना, एक-दूसरे से उनकी दूरी बनाए रखना और आपात परिस्थितियों में दिशा निर्देश देना इसी व्यवस्था पर निर्भर करता है। जब यही व्यवस्था बाधित हो जाए तो उड़ान रोकने के अलावा कोई सुरक्षित विकल्प नहीं बचता। अमेरिकी प्रशासन ने शुरुआती तौर पर साइबर हमले की आशंका से इनकार किया और इसे दूरसंचार व्यवस्था में आई खराबी बताया। हालांकि, घटना के कारणों की जांच की बात कही गई। यह भी स्पष्ट हुआ कि आधुनिक तकनीकी तंत्र के साथ-साथ उसकी पुरानी और कमजोर कड़ियां भी बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। अमेरिका में हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली के आधुनिकीकरण और कर्मचारियों की कमी को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में यह घटना केवल तकनीकी गड़बड़ी मानकर भुला देने का विषय नहीं हो सकती। विडंबना देखिए कि दुनिया को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए भविष्य की व्यवस्थाएं बनाने का रास्ता दिखाने वाला अमेरिका अपनी मौजूदा संचार प्रणाली को ही पूरी तरह भरोसेमंद नहीं बना पाया है। तकनीक का विस्तार जितना तेजी से हो रहा है, उस पर निर्भरता भी उतनी ही बढ़ रही है। लेकिन किसी भी व्यवस्था की असली ताकत उसकी गति नहीं, संकट के समय उसकी विश्वसनीयता होती है। तकनीक अगर एक बटन दबाने से पूरी व्यवस्था को ठप कर सकती है तो उसके पास ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था भी होनी चाहिए, जो संकट के समय काम आ सके। यह घटना भारत सहित दुनिया के उन तमाम देशों के लिए भी सबक है, जो तेजी से अपने विमानन क्षेत्र का विस्तार कर रहे हैं। भारत में हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। नए हवाई अड्डे बन रहे हैं, विमानन कंपनियां अपने बेड़े का विस्तार कर रही हैं और छोटे शहरों को हवाई संपर्क से जोड़ने की योजनाएं आगे बढ़ रही हैं। लेकिन केवल हवाई अड्डे बना देना या विमानों की संख्या बढ़ा देना पर्याप्त नहीं है। इसके साथ हवाई यातायात नियंत्रण, संचार नेटवर्क, तकनीकी रखरखाव, प्रशिक्षित कर्मचारियों और आपातकालीन वैकल्पिक प्रणालियों को भी उतनी ही मजबूती देनी होगी। विमानन क्षेत्र में सुरक्षा के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही की गुंजाइश नहीं है। अमेरिका ने उड़ानें रोककर कम से कम यह दिखाया कि यात्रियों की सुरक्षा के आगे आर्थिक नुकसान को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती। लेकिन सवाल यह भी है कि ऐसी स्थिति पैदा ही क्यों हुई? क्या संचार व्यवस्था की नियमित जांच पर्याप्त नहीं थी? क्या वैकल्पिक नेटवर्क उपलब्ध नहीं थे? क्या पुराने उपकरणों और तकनीकी ढांचे को समय रहते बदलने में लापरवाही हुई? इन सवालों के जवाब केवल प्रशासनिक बयानबाजी से नहीं मिलेंगे। इसके लिए जवाबदेही तय करनी होगी। उनकी सुरक्षा और वैकल्पिक व्यवस्था उतनी ही मजबूत होनी चाहिए। आसमान में उड़ते विमानों को रोकना आसान फैसला नहीं होता। लेकिन ऐसी नौबत आने से पहले व्यवस्था को दुरुस्त रखना उससे भी बड़ी जिम्मेदारी है। अमेरिका की उड़ानें फिर शुरू हो गई हैं, लेकिन इस घटना ने एक सवाल दुनिया के सामने छोड़ दिया है कि क्या हम तकनीक के भरोसे भविष्य तो बना रहे हैं, लेकिन उस भविष्य को सुरक्षित रखने की बुनियादी तैयारी करना भूल रहे हैं?

नेताओं की 'जन्मकुंडली' खेल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में चुनावी जंग का बिगुल बजने से पहले ही एक-दूसरे को घेरने और राजनीतिक रूप से कमजोर करने का खेल शुरू हो गया है। इस खेल के केंद्र में हैं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डा. हरक सिंह रावत और भाजपा। भाजपा हरक के अतीत के पन्ने पलटकर उन्हें कठघरे में खड़ा करना चाहती है तो हरक ने भाजपा की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। भाजपा के लिए जेनी प्रकरण राजनीतिक हथियार है तो हरक के लिए अंकिता भंडारी हत्याकांड सरकार की सबसे बड़ी जवाबदेही का सवाल। दोनों तरफ से हमले हो रहे हैं, लेकिन इस सियासी शोर के पीछे 2027 की सत्ता की लड़ाई साफ दिखाई दे रही है।

यह महज दो नेताओं के बीच जुबानी जंग नहीं है। यह उस राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें विरोधी को उसके मुद्दों से हटाकर रक्षात्मक स्थिति में धकेलने की कोशिश की जाती है। भाजपा चाहती है कि हरक सिंह रावत अपनी सफाई देते रहें और उनकी राजनीतिक ऊर्जा पुराने विवादों में खपती रहे। हरक चाहते हैं कि भाजपा अपने नेताओं के आरोपों का जवाब देने के बजाय अंकिता के मामले में उठ रहे सवालों का जवाब देने को मजबूर हो। यानी भाजपा ने हरक के अतीत को हथियार बनाया है और हरक ने भाजपा के शासनकाल को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है।

हरक सिंह रावत को अचानक भाजपा के निशाने पर आए नेता के रूप में देखना राजनीतिक भूल होगी। वह कांग्रेस की चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की रणनीति, उम्मीदवारों के चयन से लेकर चुनावी अभियान की दिशा तय करने तक उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है। भाजपा भी जानती है कि हरक केवल बयान देने वाले नेता नहीं हैं, बल्कि प्रदेश की राजनीति की अंदरूनी चालों और नेताओं की कमजोरियों से अच्छी तरह परिचित हैं।

ऐसे में उन पर पुराने मामलों को लेकर हमलों की टाइमिंग अपने आप में राजनीतिक संदेश दे रही है। 23 साल पुराने

◆हरक के अतीत का हथियार, भाजपा के गले की फांस बना अंकिता
◆भाजपा ने पुरानी फाइल खोली, हरक ने सत्ता की फाइल सामने रखी
◆भाजपा घेरने में जुटी, हरक ने सरकार की दुखती रग पर रखा हाथ

जेनी प्रकरण को जिस आक्रामकता से दोबारा उठाया जा रहा है, उससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि भाजपा का मकसद केवल आरोपों का जवाब मांगना है या कांग्रेस के एक प्रमुख रणनीतिकार को चुनाव से पहले विवादों में उलझाना भी है? भाजपा विधायक महंत दिलीप रावत ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल को मां धारी देवी की कसम खाकर हरक के चरित्र की गारंटी लेने की चुनौती दी। यह हमला राजनीतिक बहस को नीतियों और जनहित के सवालों से हटाकर सीधे व्यक्तिगत प्रतिष्ठा पर ले गया। सवाल यह है कि क्या उत्तराखंड की राजनीति में अब चुनावी तैयारी का अर्थ एक-दूसरे के चरित्र पर सवाल उठाना रह गया है?

हरक सिंह रावत ने भाजपा के हमलों का जवाब देने के लिए एक अलग रास्ता चुना है। वह जेनी प्रकरण पर अपनी सफाई दे रहे हैं, लेकिन भाजपा के हमले को उसी मुद्दे तक सीमित नहीं रहने देना चाहते। उन्होंने कहा है कि उनके पास सबकी जन्मकुंडली है, लेकिन वह मर्यादा में रहकर राजनीति कर रहे हैं। इस बयान में चेतावनी भी है और राजनीतिक संदेश भी। हरक का असली हमला अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर है। उनका आरोप है कि भाजपा 23 साल पुराने जेनी प्रकरण को उछालकर अंकिता मामले से जनता का ध्यान हटाना चाहती है। उनका कहना है कि जेनी प्रकरण की पहले जांच हो चुकी है और वह दोबारा जांच के लिए भी तैयार हैं। उन्होंने आरोप साबित होने पर राजनीति छोड़ने तक की चुनौती दी है। इन दावों की स्वतंत्र जांच और संबंधित दस्तावेजों के आधार पर पुष्टि जरूरी है।

लेकिन हरक ने भाजपा के सामने जो राजनीतिक सवाल रखा है, वह कहीं अधिक असहज करने वाला है। अंकिता को न्याय दिलाने की मांग आज भी कायम है। तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा होने के बावजूद कथित वीआईपी की भूमिका को लेकर सवाल उठते रहे हैं। अंकिता के माता-पिता की मांग और इस प्रकरण में सामने आए नए दावों ने सरकार की जवाबदेही का सवाल फिर खड़ा किया है। भाजपा हरक से उनके अतीत का हिसाब मांग रही है, लेकिन हरक पूछ रहे हैं कि सरकार अपने कार्यकाल के सबसे संवेदनशील मामले

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

अंकिता हत्याकांड : गुजरात में खुलेगा 'वीआईपी' राज

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी के नाम को लेकर लंबे समय से चल रही सियासी और कानूनी उठापटक के बीच अब जांच एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। मामले में चर्चाओं के केंद्र में रहे भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर और अभिनेत्री उर्मिला सनावर का नार्को एनालिसिस और पॉलीग्राफ टेस्ट गुजरात के गांधीनगर में कराया जाएगा। देहरादून स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में शुक्रवार को हुई सुनवाई के बाद यह निर्णय सामने आया है। हालांकि, दोनों परीक्षणों की तारीख अभी निर्धारित नहीं की गई है।

इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब तक सोशल मीडिया, राजनीतिक बयानों और कथित ऑडियो-वीडियो के जरिए सामने आ रहे दावों की जांच वैज्ञानिक परीक्षणों के जरिए आगे बढ़ेगी। ऐसे में निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच के अगले चरण में क्या नए तथ्य सामने आते हैं और कथित वीआईपी प्रकरण की गुत्थी सुलझाने में कितनी मदद मिलती है। शुक्रवार को उर्मिला सनावर देहरादून स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में पेश हुईं। सुनवाई के दौरान उन्होंने नार्को और पालीग्राफ टेस्ट कराने के लिए लिखित सहमति दी। उनकी अधिवक्ता शिवानी तोमर के अनुसार, अदालत में उर्मिला के बयान भी दर्ज किए



◆सुरेश राठौर और उर्मिला सनावर का होगा नार्को व पालीग्राफ टेस्ट
◆गांधीनगर की फारेंसिक लैब में होगी जांच, तारीख अभी तय नहीं
◆सियासी व कानूनी उठापटक के बीच अब जांच नए मोड़ पर पहुंची

गए हैं। दोनों परीक्षण गुजरात के गांधीनगर स्थित फॉरेंसिक लैब में कराने का निर्णय हुआ है। परीक्षण से पहले उर्मिला की चिकित्सकीय जांच कराई जाएगी। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद आगे की तारीख तय होगी। संभावना है कि नवंबर के तीसरे सप्ताह में मेडिकल परीक्षण की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

दरअसल, अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी की भूमिका को लेकर दिसंबर 2025 में उस समय नया विवाद खड़ा हुआ था, जब उर्मिला सनावर ने सोशल मीडिया पर कुछ कथित आडियो और वीडियो रिकार्डिंग जारी की थीं। इनमें पूर्व विधायक सुरेश राठौर के साथ बातचीत होने का दावा किया गया था। उर्मिला ने इन रिकार्डिंग के आधार पर एक प्रभावशाली व्यक्ति का नाम कथित वीआईपी के रूप में सामने रखा था। इस दावे ने उत्तराखंड की राजनीति में हलचल मचा दी थी।

इसके बाद मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया। आरोपों को लेकर भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम का नाम भी चर्चा में आया। गौतम ने इन आरोपों को निराधार और मानहानिकारक बताते हुए कानूनी कार्रवाई की है। हालांकि, कथित वीआईपी की भूमिका को लेकर उठे सवाल अब तक सार्वजनिक बहस का हिस्सा बने हुए हैं। इसी क्रम में सीबीआई ने अक्टूबर में उर्मिला सनावर और सुरेश राठौर को नोटिस जारी कर नार्को और पालीग्राफ टेस्ट के लिए सहमति मांगी थी। 23 अक्टूबर को दोनों ने देहरादून की सीबीआई अदालत में पेश होकर परीक्षण के लिए सहमति जताई थी। हालांकि, 26 अक्टूबर को प्रस्तावित अगली पेशी से पहले ही उर्मिला को हरिद्वार पुलिस ने एक अलग मामले में गिरफ्तार कर लिया था। उन पर सुरेश राठौर की बेटी की शिकायत पर सोशल मीडिया में कथित आपत्तिजनक और मानहानिकारक सामग्री प्रसारित करने का आरोप लगाया गया था। बाद में उन्हें जमानत मिल गई।

अदालत में पेशी के बाद उर्मिला सनावर ने मीडिया से बातचीत में कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि जब वह जेल में थीं, तब उन्हें नार्को टेस्ट से

▶▶ शेष पृष्ठ 3 पर

छात्रा के साथ दुराचार की घटना अत्यंत निंदनीयः अभाविप

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने हल्द्वानी में छात्रा के साथ दुराचार की घटना अत्यंत निदंनीय बताते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग की।

आज यहां मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से हल्द्वानी में एक नाबालिग छात्रा के साथ दुराचार की गंभीर घटना के आरोपों की जानकारी सामने आई है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इस प्रकरण की कड़े शब्दों में भर्त्सना करती है तथा मांग करती है कि इस प्रकरण के दोषियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित हो ताकि पीड़िता को त्वरित न्याय मिले। अभाविप छात्राओं की सुरक्षा, सम्मान एवं गरिमा के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है और इस प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से देखती है। अभाविप पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। अभाविप उत्तराखंड के प्रदेश मंत्री यशवन्त पवार ने कहा, अभाविप इस गंभीर प्रकरण में पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। अभाविप प्रशासन से मांग करती है की दोषियों के विरुद्ध कठोरतम से कठोरतम कार्यवाही की जाये ताकि पीड़िता को त्वरित न्याय प्राप्त हो।

फर्जी प्रमाणपत्रों से असिस्टेंट प्रोफेसर की नौकरी पाने वाला गिरफ्तार

कोटद्वार(आरएनएस)। यमकेश्वर के बिथ्याणी स्थित गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय में फर्जी और कूटरचित प्रमाणपत्रों के आधार पर असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति पाने के आरोपी को यमकेश्वर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 23 सितंबर 2026 को गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय, बिथ्याणी के प्राचार्य डा. योगेश कुमार ने थाना यमकेश्वर में तहरीर दी थी। जिसमें उन्होंने महाविद्यालय में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. उमेश त्यागी के खिलाफ फर्जी और कूटरचित प्रमाणपत्रों के आधार पर नियुक्ति प्राप्त करने के मामले में कार्रवाई की मांग की थी। इस पर पुलिस ने धोखाधड़ी और जालसाजी समेत संबंधित आरोपों में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी पौड़ी सर्वेश पंवार ने निष्पक्ष और प्रभावी जांच के निर्देश दिए। इसके बाद थानाध्यक्ष यमकेश्वर अरविंद चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने जांच के दौरान साक्ष्य जुटाए और आरोपी के संबंध में जानकारी एकत्र की। विवेचना में सामने आए तथ्यों और पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी डॉ. उमेश त्यागी (49) का पूर्व पता मुरादनगर, जिला गाजियाबाद और वर्तमान पता बादलपुर, जिला गौतमबुद्धनगर (नोएडा), उत्तर प्रदेश है।

अंकिता हत्याकांड : गुजरात में खुलेगा.. ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

पीछे हटने के लिए 25 लाख रुपये और स्कार्पियो गाड़ी का प्रस्ताव दिया गया था। उन्होंने कहा कि वह अंकिता को न्याय दिलाने के लिए किसी भी तरह के परीक्षण से पीछे नहीं हटेंगी। उर्मिला ने यह भी मांग की कि मुख्य आरोपी पुलकित आर्य का भी नार्को टेस्ट कराया जाना चाहिए, ताकि मामले से जुड़े तथ्यों की पड़ताल हो सके। हालांकि, उनके इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अंकिता भंडारी की हत्या 18 सितंबर 2022 को ऋषिकेश के वनंत्रा रिजार्ट में हुई थी। 19 वर्षीय अंकिता वहां रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करती थीं। रिजॉर्ट मालिक पुलकित आर्य और उसके दो कर्मचारियों पर हत्या का आरोप साबित हुआ और तीनों को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई। इसके बावजूद मामले में कथित वीआईपी की भूमिका को लेकर उठे सवाल राजनीतिक और सामाजिक बहस में बने रहे हैं। अब सुरेश राठौर और उर्मिला सनावर के नार्को तथा पालीग्राफ टेस्ट को इसी कड़ी में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, यह स्पष्ट रहना जरूरी है कि नार्को या पालीग्राफ परीक्षण अपने आप में किसी आरोप की सत्यता या किसी व्यक्ति के दोषी होने का अंतिम प्रमाण नहीं होते। जांच में सामने आने वाले तथ्यों का अन्य साक्ष्यों के साथ परीक्षण जरूरी होगा।

अंकिता के माता-पिता और न्याय की मांग कर रहे लोगों के लिए यह मामला केवल दो व्यक्तियों के परीक्षण तक सीमित नहीं है। असली सवाल यह है कि क्या इस प्रक्रिया से कथित वीआईपी की भूमिका को लेकर उठे सवालों का कोई ठोस जवाब मिल सकेगा? क्या उन तमाम दावों और प्रतिदावों के पीछे छिपे तथ्यों तक जांच पहुंच पाएगी? गांधीनगर में होने वाले परीक्षणों से उम्मीदें जरूर बढ़ी हैं, लेकिन उत्तराखंड की जनता को केवल चर्चित नामों के परीक्षण की खबर नहीं, बल्कि उन सवालों के जवाब चाहिए जो अंकिता की हत्या के बाद से अब तक अनुत्तरित हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

कनेली में किसानों को मृदा स्वास्थ्य और संतुलित उर्वरक प्रबंधन की दी जानकारी

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा की ओर से खेत बचाओ अभियान के तहत हवालबाग विकासखंड के कनेली गांव में मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग को लेकर किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 20 पुरुष और पांच महिलाओं समेत 25 किसानों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. शरणप्पा हल्लिकेरी और मनोज भट्ट ने किया।

कार्यक्रम में डॉ. शरणप्पा हल्लिकेरी ने खेत बचाओ अभियान के उद्देश्यों और टिकाऊ कृषि पद्धतियों में मृदा संरक्षण के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से पर्वतीय कृषि प्रणालियों में फसल उत्पादकता बनाए रखने के लिए मृदा स्वास्थ्य का संरक्षण जरूरी है। किसानों को नियमित मृदा परीक्षण कराने तथा मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों और फसल की आवश्यकता के अनुसार उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी गई।

उन्होंने बताया कि मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग से पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता बढ़ती है और अनावश्यक एवं अत्यधिक उर्वरक उपयोग को कम किया जा सकता है। इससे लंबे समय तक मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में भी मदद मिलती है।

कार्यक्रम में किसानों ने सिंचाई के लिए सीमित जल संसाधन, मृदा परीक्षण के प्रति जागरूकता की कमी, बंदरों और जंगली सूअरों से फसलों को होने वाले नुकसान, बढ़ते पलायन तथा कृषि आदानों और तकनीकी जानकारी की समय पर उपलब्धता न होने जैसी समस्याएं उठाईं। किसानों ने इनके समाधान के लिए प्रक्षेत्र आधारित प्रशिक्षण, फसल संरक्षण तकनीकों तक बेहतर पहुंच, गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों की समय पर उपलब्धता और पर्वतीय क्षेत्रों के अनुकूल हल्के कृषि यंत्र उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। किसानों ने पर्वतीय कृषि को अधिक लाभप्रद और टिकाऊ बनाने के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप तकनीकी मार्गदर्शन तथा नियमित क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित करने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक प्रयोग और मृदा परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व की जानकारी दी गई। संस्थान के अनुसार, इस तरह की पहल किसानों के तकनीकी ज्ञान को मजबूत करने के साथ संसाधनों के कुशल उपयोग और हिमालयी क्षेत्र में टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में सहायक होंगी।

गंगोत्री धाम में शीतकाल में अनाधिकृत आवाजाही पर रोक लगाने की मांग

उत्तरकाशी(आरएनएस)। गंगोत्री धाम के तीर्थ पुरोहितों और व्यापार मंडल से जुड़े लोगों ने शीतकाल में अनाधिकृत आवाजाही को प्रतिबंधित करने की मांग की है। उनका कहना है कि गंगोत्री धाम जाने के लिए शीतकाल में प्रशासन की अनुमति लेने की व्यवस्था की जाए। गंगोत्री के पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष सतेन्द्र सेमवाल, इंद्रदेव सेमवाल, चंद्र सिंह, जसपाल पंवार सहित स्थानीय व्यापारियों,होटल एसोसिएशन साधु समाज ने प्रशासन से मांग की है कि शीतकाल के दौरान धाम क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अनाधिकृत आवाजाही पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए। केवल प्रशासन की लिखित अनुमति के बाद ही धाम में जाने दिया जाए।गत वर्ष कपाट बंद होने के बाद कुछ असामाजिक तत्व और बाहरी लोग सुनसान इलाके का फायदा उठाकर धाम क्षेत्र में पहुंच गए थे। इन लोगों ने वहां न केवल शोर किया बल्कि संपत्तियों में तोड़फोड़ कर होटलों एवं सरकारी संपत्तियों को काफी नुकसान भी पहुंचाया था।

आर्य समाज जीनापानी की नई कार्यकारिणी गठित, संगठन विस्तार की जिम्मेदारी सौंपी

भिकियासैंण(आरएनएस)। सार्वदेशिक गोकृष्यादि रक्षिणी सभा के संयोजक एवं अल्मोड़ा आर्य समाज के मंत्री दयाकृष्ण काण्डपाल ने आर्य समाज जीनापानी की नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए सल्ट, मानिला, भतरौंजखान और देघाट क्षेत्र में आर्य समाज के संगठन को पुनर्जीवित करने तथा वैदिक विचारधारा के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी है।

दयाकृष्ण काण्डपाल ने बताया कि कुमाऊं के सल्ट, मानिला, भतरौंजखान, देघाट और आसपास के क्षेत्रों में पूर्व में आर्य समाज का व्यापक प्रभाव रहा है। इन क्षेत्रों में महर्षि दयानन्द सरस्वती के विचारों, वैदिक संस्कृति, सामाजिक सुधार, शिक्षा और कुरीतियों के उन्मूलन के लिए आर्य समाज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समय के साथ संगठनात्मक गतिविधियां कमजोर होने से इसका प्रभाव भी कम हुआ है। ऐसे में पुरानी गौरवशाली परंपरा को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज जीनापानी को इन क्षेत्रों में संगठन विस्तार, नए सदस्यों को जोड़ने, वैदिक सत्संग, हवन-यज्ञ, धार्मिक एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा महर्षि दयानन्द सरस्वती के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का दायित्व दिया गया है। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्य समाज की गतिविधियों को फिर सक्रिय किया जाएगा। नई कार्यकारिणी में धन सिंह को प्रधान, बालम सिंह असवाल को उपप्रधान, जगत सिंह गोडाकोटी को कोषाध्यक्ष, प्रकाश चन्द्र को मंत्री तथा हंसी देवी को पुस्तकालयाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। काण्डपाल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों से सामूहिक प्रयासों से संगठन को मजबूत करने और आर्य समाज के सिद्धांतों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत भाजपा अल्मोड़ा का सम्मेलन आयोजित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत भाजपा नगर मंडल अल्मोड़ा की ओर से धारानौला स्थित एक होटल में शक्ति केंद्र सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में राज्य निर्माण आंदोलन, आंदोलनकारियों के संघर्ष और उत्तराखंड के विकास की यात्रा पर चर्चा हुई।

मुख्य वक्ता पूर्व विधायक कैलाश शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड राज्य का निर्माण जनता के लंबे संघर्ष और आंदोलनकारियों के त्याग व बलिदान का परिणाम है। अलग राज्य की मांग को राजनीतिक समर्थन और निर्णायक दिशा देने में भाजपा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि वर्ष 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने नए राज्यों के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई और 9 नवंबर 2000 को उत्तरांचल राज्य का गठन हुआ। कैलाश शर्मा ने कहा कि राज्य आंदोलन में मातृशक्ति, युवाओं, सामाजिक संगठनों और विभिन्न राजनीतिक दलों का योगदान अविस्मरणीय है। आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध उत्तराखंड बनाना सभी की जिम्मेदारी है। दर्जा राज्य मंत्री ए.के. सिकंदर पवार ने कहा कि उत्तराखंड का गठन पहाड़ की विशिष्ट परिस्थितियों, संस्कृति और पहचान को सम्मान देने वाला ऐतिहासिक निर्णय था। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और जनसमस्याओं के समाधान के लिए सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया। नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा केवल उत्सव नहीं, बल्कि राज्य के विकास में अपनी जिम्मेदारियों पर आत्ममंथन का अवसर है। पलायन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था जैसी चुनौतियों के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की एकजुटता के साथ जनसेवा और राज्य के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन नगर महामंत्री देवेंद्र भट्ट ने किया। सम्मेलन में शक्ति केंद्र संयोजक मनोज सनवाल एवं आशीष कुमार, भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश मंत्री धर्मवीर आर्या, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष कमला तिवारी, नगर मंत्री दीपा अधिकारी, पार्षद संजय जोशी, श्याम पांडे, इंदर भंडारी, नामित पार्षद बीना नयाल सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ठंड का मौसम आते ही बढ़ जाता है सर्दी जुकाम का खतरा!

अक्टूबर के महीने में गर्म सर्द का मौसम शुरू हो जाता है, दिन में जहां गर्मी पड़ती है तो रात को ठंड का एहसास होना शुरू हो गया है। ऐसे में गर्म सर्द के इस मौसम में सर्दी जुकाम का खतरा सबसे ज्यादा होता है और संक्रमण का भी खतरा बढ़ जाता है। अक्सर लोगों का सवाल रहता है कि सर्दी जुकाम से बचने के लिए घरेलू उपाय क्या होते हैं? तो चलिए आज हम आपको बताते हैं ऐसे पांच घरेलू उपाय जिनका उपयोग करके आप सर्दी के मौसम में मौसमी बीमारियों से बच सकते हैं।

शहद और नींबू की चाय : एक कप गर्म पानी में एक बड़ा चम्मच शहद और आधे नींबू का रस मिलाएं, गले की खराश से राहत पाने और खांसी से राहत पाने के लिए इस चाय की चुस्की लें।

अदरक की चाय : अदरक की चाय बनाने के लिए ताजे अदरक के एक छोटे टुकड़े को कद्दूकस करके पानी में उबाल लें। अदरक में नेचुरल एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो कंजेशन को कम करने और गले की खराश को शांत करने में मदद कर सकते हैं।

भाप लेना : एक बड़े बर्तन में पानी उबालें। जब यह भाप बन जाए तो इसे आंच से उतार लें और इसमें यूकेलिप्टस तेल की कुछ बूंदें मिलाएं। बर्तन के ऊपर झुकें और भाप लेने के लिए अपने सिर को तौलिये से ढक लें, इससे नाक में जमा कफ को साफ करने में मदद मिल सकती है।

हल्दी दूध : एक कप दूध गर्म करें और उसमें एक चम्मच हल्दी मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं और सोने से पहले पी लें। हल्दी में नेचुरल एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो सर्दी के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

खारे पानी के गरारे : एक गिलास गर्म पानी में आधा चम्मच नमक मिलाएं और इससे गरारे करें। यह गले की खराश को शांत करने और जलन को कम करने में मदद कर सकता है।

घर का वुडन फ्लोरिंग रहे चमकदार

हर कोई चाहता है कि उसका घर खूबसूरत नजर आए इसलिए घर को सजाने के लिए सभी नए-नए एक्सपेरिमेंट करते रहते हैं। यदि वुछन फ्लोरिंग की बात की जाए, तो आजकल यह काफी पॉप्युलर हो गया है। इसकी सबसे बडी वजह है कि अब लोगों के पास घर रख-रखाव के लिए ज्यादा समय नहीं और वुडन फ्लोरिंग को मेन्टेन करना बहुत आसान है।

वुडन फ्लोरिंग चुनते समय इस बात का पता जरूर लगाएं कि वह स्टेन रेजिस्टेंट है या नहीं। आजकल ज्यादातर वुडन फ्लोरिंग स्टेन रेजिस्टेंट होती हैं इसलिए इन पर खाना, स्याही, तेल आदि के दाग नहीं लगते और आपके लिए इनकी सफाई करना आसन हो जाती है। घर के सभी फर्नीचर के लेग्स पर प्रोटेक्टर पैड लगाएं। इससे वुडन फ्लोर पर स्क्रैच नहीं आएंगे। कारपेट और रग्स बिछाकर भी आप वुडन फ्लोरिंग को मेन्टेन कर सकते हैं। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि वो गीले न हों। फ्लोर की सफाई के लिए वैक्स से संबंधित किसी भी प्रॉडक्ट या अमोनिया का इस्तेमाल न करें।

हर बार यूज करने के बाद ऐसे रखें जैकेट-स्वेटर

सर्दियां आते ही जैकेट, स्वेटर और कुछ एक्स्ट्रा कपड़े बाहर निकल जाते हैं। बार-बार इस्तेमाल होने से इनमें से बदबू भी आने लगती है लेकिन इस मौसम में जैकेट या स्वेटर को धोना काफी मुश्किल काम लगता है। इसका एक कारण ये भी है कि सर्दी के मौसम में धूप कम निकलती है और ये कपड़े मोटे होते हैं तो सूखने में वक्त लेते हैं। ऐसे में बहुत से लोग रोज-रोज स्प्रे-परफ्यूम यूज कर इसे पहनते हैं लेकिन ये कोई परमानेंट विकल्प नहीं है। इससे बदबू दूर नहीं होती बल्कि ज्यादा आने लगती है। इसलिए हम आपको कुछ ऐसे बेजोड़ तरीके बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप जैकेट को बिना धोए ही खुशबूदार बना सकते हैं। चलिए जानते हैं।

जब भी जैकेट-स्वेटर पहनकर कहीं से घर वापस आए तो उसे उतारकर हैंगर पर फैलाकर खुली हवा में टांग दें। सर्दियों के मोटे कपड़ों को धूप में रखना बदबू को दूर करने का अच्छा विकल्प होता है। रात में स्वेटर या जैकेट को खुली खिडकी के पास टांग सकते हैं।

बेकिंग सोडा से भगाएं बदबू : गंध यानी बदबू को एब्जॉर्ब करने में बेकिंग सोडा बेहद कारगर माना जाता है। सर्दियों के कपड़ों से बदबू आने पर रात में कपड़े पर बेकिंग सोडा छिडक कर उसे छोड़ दें। सुबह अच्छी तरह झाडकर पहनें, बदबू गायब हो जाएगी। इसे दोबारा से इस्तेमाल कर सकते हैं।

सिरका दूर करेगा जैकेट-स्वेटर की स्मेल : अगर आप स्वेटर-जैकेट से बदबू दूर करने के लिए बेकिंग सोडा नहीं इस्तेमाल करना चाहते हैं तो आप सिरके की मदद से बदबू भगा सकते हैं। एक बोतल में विनेगर और पानी बराबर मात्रा में मिलाकर इसे कपड़े पर स्प्रे करें। इसके बाद सूखने के लिए खुली हवा में टांग दें। बदबू दूर हो जाएगी और आप पहनकर कहीं भी जा सकते हैं। इस तरह सर्दी के मोटे कपड़ों को बिना धोए, उनकी स्मैल को दूर कर सकते हैं।

सर्दियों में हर दिन खाएंगे दही तो शरीर पर होगा कुछ ऐसा असर!





सर्दियों में दही खाना चाहिए या नहीं? इस बात को लेकर अक्सर डिबेट बना रहता है। सर्दियों में दही खाने का है यह खास तरीका। हमने यह समझने का फैसला किया कि सर्दियों के मौसम में जब आप हर दिन दही खाते हैं तो शरीर पर क्या होता है, कई लोग आपको इसे छोडने की सलाह देते हैं। किरण कुकरेजा, एक पोषण विशेषज्ञ ने इंस्टाग्राम पर साझा किया कि इस धारणा के विपरीत कि दही ठंडा होता है, यह गर्म होता है और शरीर पर गर्म प्रभाव डालता है। आप इसे अपने शीतकालीन आहार में शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह कड़ाके की ठंड से राहत देता है। इसके अतिरिक्त, इसे आहार में शामिल किया जाना चाहिए क्योंकि इसमें स्वस्थ प्रोबायोटिक्स होते हैं जो आपके पेट के लिए आवश्यक होते हैं।

दही में होते हैं यह खास प्रोटीन

दही पाचन को बढ़ावा देता है और चयापचय को बढ़ाने में मदद करता है जो शरीर को आंतरिक रूप से गर्मी पैदा करने में मदद करता है। कुकरेजा ने कहा ये प्रोबायोटिक्स पाचन में सहायता करते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देते हैं। जिससे आपको हालांकि, अगर आप सर्दी-जुकाम होने पर दही को सीधे फ्रिज से निकालकर खाते हैं तो इसके तापमान के कारण आपको कुछ दिक्कतें हो सकती हैं। कुकरेजा ने कहा, कमरे के तापमान पर काली मिर्च पाउडर के साथ दही लें ताकि इससे आपका गला खराब न हो।

सर्दियों में जहां लोग तरह-तरह के व्यंजन खाना पसंद करते है, वहीं सर्दियों में ठंडी चीजों जैसे दही को खाना छोड़देते हैं। लोग ये मानते हैं कि दही खाने से सर्दी और गले में खराश हो सकती है। लेकिन जानें सच क्या है?

दही अच्छे बैक्टीरिया, विटामिन, प्रोटीन, मैग्नीशियम, कैल्शियम और पोटेशियम से भरपूर होता है। इसीलिए ये हर मौसम में सेहत के लिए फायदेमंद है।

दही आपके आंत के लिए बहुत अच्छा बैक्टीरिया है। यह कैल्शियम, विटामिन बी 12 और फास्फोरस से समृद्ध है। सर्दियों के दिनों में दही का सेवन आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। हालांकि श्वसन संबंधी समस्या वाले लोगों को दही शाम 5 बजे के बाद खाने से बचना चाहिए क्योंकि यह बलगम पैदा कर सकता है, विशेष रूप से एलर्जी और अस्थमा से पीड़ित लोगों में।

दही विटामिन सी से भरपूर होता है, जो ठंड से पीड़ित लोगों के लिए बहुत अच्छा बनाता है। हालांकि दही ठंडा ना खाकर कमरे के तापमान के अनुसार ही खाना चाहिए।

रात में न खाएं दही- आयुर्वेद के अनुसार, सर्दियों के दौरान, खासतौर पर रात के समय दही का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि यह आपकी ग्रंथियों से स्राव को बढ़ाता है, जिससे बलगम का स्राव भी बढ़ता है। जिससे सेहत संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। अस्थमा, साइनस या सर्दी और खांसी जैसे श्वसन संबंधी समस्याएं हैं तो सर्दियों के दौरान और विशेष रूप से रात के समय दही नहीं खानी चाहिए।

शब्द सामर्थ्य -67

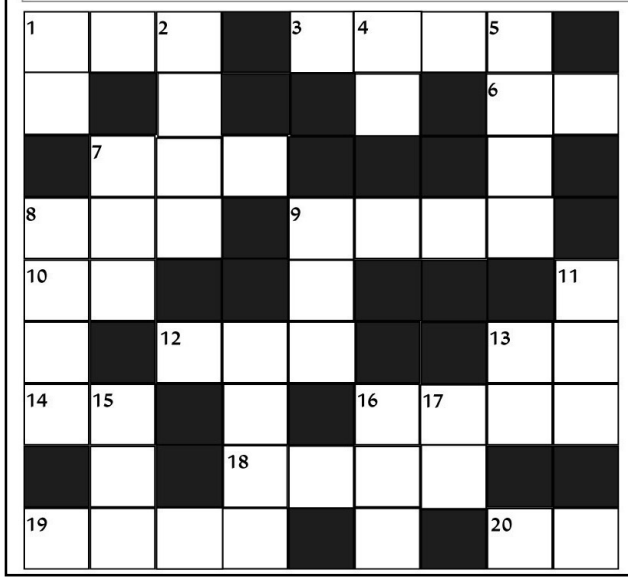
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 66 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी



फिल्म मातृभूमि 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

सलमान खान स्टारर मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस इस साल की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक रही है। जब से इस वॉर-ड्रामा फिल्म का पहला टीजर ओर पोस्टर रिलीज हुआ है, तभी से दर्शकों के बीच फिल्म को देखने की बेसब्री देखने को मिल रही है। हाल ही में मेकर्स ने इस फिल्म का नया गाना तेरी सेक्सी ब्यूटी रिलीज किया, जिसे खूब पसंद किया गया। इस गाने में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह की केमेस्ट्री को खूब पसंद किया जा रहा है। इस सरप्राइज के बाद अब सुपरस्टार के फैंस को दिवाली गिफ्ट भी मिल गया है। दरअसल, मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस की थियेटर रिलीज डेट तय हो गई है। सलमान खान ने मुंबई में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की, जिसके अनुसार ये फिल्म 4 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कई बार देरी पोस्टपोन होने के बाद सलमान खान की मातृभूमि 4 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। पहले इसे 17 अप्रैल, 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन तब ये फिल्म रिलीज नहीं हो सकी। इसके बाद से नई रिलीज डेट को लेकर सस्पेंस बना हुआ था, जो अब जाकर खत्म हुआ है। नई रिलीज डेट के साथ, अब बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का मुकाबला श्रद्धा कपूर की बायोपिक ड्रामा ईठा से होगा, जो इसी दिन यानी 4 दिसंबर को ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मुंबई इवेंट में हुआ ऐलान

इस तारीख की घोषणा मुंबई में एक इवेंट में हुई। सलमान खान के साथ इस इवेंट में फिल्म के निर्देशक अपूर्व लाखिया, चित्रांगदा सिंह और फिल्म की अन्य कास्ट भी मौजूद थी। इसी दौरान मातृभूमि का ट्रेलर भी दिखाया गया और मीडिया को फिल्म की दुनिया से रूबरू कराया। आज मुंबई में हुए एक एक्सक्लूसिव मीडिया इवेंट में सलमान खान ने मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस के ट्रेलर का स्पेशल प्रीव्यू दिखाया और अब सुपरस्टार के फैंस इसे देखने के इंतजार में हैं।

सलमान खान स्टारर और अपूर्व लाखिया के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। इसमें सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का संगीत रवि बसुर, अयान लाल और हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है, जबकि सिनेमैटोग्राफी फसाहत खान ने की है। इस फिल्म में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह एक साथ पर्दे पर नजर आएंगे। काम की बात करें तो, सलमान खान को आखिरी बार रितेश देशमुख की राजा शिवाजी और 7 डॉग्स में देखा गया था, जिनमें उन्होंने कैमियो रोल किए थे। मुख्य भूमिका में उनकी आखिरी फिल्म 2025 में रिलीज़ हुई सिकंदर थी। वहीं, चित्रांगदा सिंह को आखिरी बार हनी त्रेहान की हिंदी ड्रामा फिल्म रात अकेली है में राधिका आप्टे और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ देखा गया था।

करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन की दायरा नेटफ्लिक्स पर मचाएगी धमाल

निर्देशक मेघना गुलजार की अपराध-कहानी पर आधारित फिल्म दायरा अब सिनेमाघरों के बाद ओटीटी मंच पर दस्तक देने जा रही है। करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत यह फिल्म 13 नवंबर से नेटफ्लिक्स पर दर्शकों के लिए उपलब्ध होगी। फिल्म 18 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन इसे दर्शकों की अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली थी। अब देखना होगा कि डिजिटल मंच पर फिल्म को कितनी सफलता मिलती है।

फिल्म में करीना कपूर ने पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अजूनी कोहली की भूमिका निभाई है, जबकि पृथ्वीराज सुकुमारन पुलिस उपायुक्त रमन कुमार के किरदार में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक सनसनीखेज दुष्कर्म और हत्या के मामले के इर्द-गिर्द बुनी गई है।

दायरा में दोनों पुलिस अधिकारी कहानी के मुख्य किरदार हैं, लेकिन न्याय को लेकर उनके विचार एक-दूसरे से अलग हैं। एक कथित मुठभेड़ के बाद दोनों के रास्ते टकराते हैं और यहीं से कहानी में नया मोड़ आता है। फिल्म में अपराध, पुलिस जांच, न्याय और कानून के बीच टकराव को दिखाया गया है।

मेघना गुलजार अपनी फिल्मों में गंभीर और संवेदनशील विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने के लिए जानी जाती हैं। दायरा में भी उन्होंने अपराध और न्याय व्यवस्था से जुड़े एक गंभीर विषय को पर्दे पर उतारने की कोशिश की है। सिनेमाघरों में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बाद अब फिल्म के निर्माता और कलाकारों को ओटीटी पर बेहतर प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।

पलक तिवारी की येलो गाउन, डीप नेकलाइन और कातिलाना अदाएं



बॉलीवुड की यंग, ग्लैमरस और स्टनिंग एक्ट्रेस पलक तिवारी अपने हर अंदाज से फैंस को सरप्राइज करना बखूबी जानती हैं। पलक सोशल मीडिया पर हमेशा अपने स्टाइलिश लुक्स से तहलका मचाती रहती हैं। हाल ही में पलक ने इंस्टाग्राम पर बेहद आकर्षक तस्वीरें शेयर की हैं।

पीले रंग के बैकड्रॉप और मैचिंग आउटफिट में पलक का यह नया अवतार इस समय इंटरनेट पर ट्रेंड कर रहा है। तस्वीरों में उनकी फिटनेस, स्टाइल सेंस और कैमरे के सामने उनका आत्मविश्वास हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है।

तस्वीरों में पलक तिवारी ने ब्राइट येलो कलर की एक बेहद खूबसूरत गाउन पहनी हुई है। इस आउटफिट का अपर सेक्शन एक स्ट्रक्चर्ड कॉर्सेट बस्टियर डिजाइन में तैयार किया गया है, जिसमें फ्रंट पर डेलिकेट लेस-अप डिटेलिंग दी गई है।

ड्रेस के स्लीक नूडल स्ट्रैप्स और डीप प्लंजिंग नेकलाइन पलक के शोल्डर लाइन और कॉलरबोन को परफेक्टली हाइलाइट कर रहे हैं।

ड्रेस का लोअर पार्ट यानी स्कर्ट का हिस्सा भी बेहद खास है। कमर से रैप-अराउंड स्टाइल में शुरू होने वाला यह गाउन नीचे फ्लोइंग रफल्स और लेयर्स के साथ आता है। इसके साथ ही ड्रेस में दिया गया बोल्ड और हाई-थाई स्लिट पलक के लेग्स को फ्लॉन्ट कर रहा है।

अपने इस बोल्ड आउटफिट को बैलेंस करने के लिए पलक ने मेकअप को बहुत ही सटल और क्लासी रखा है। उन्होंने ब्रॉन्ज और ब्राउन टोन वाली स्मोकी आइज के साथ विंग्ड आईलाइनर का इस्तेमाल किया है।

पलक ने अपने लंबे और घने बालों को हाफ-अप, हाफ-डाउन स्टाइल में बांधा हुआ है, जिसमें से कुछ लहराती हुई मेसी लटें उनके चेहरे पर आ रही हैं। यह मेसी वेवी टेक्सचर उनके ओवरऑल लुक को एक सॉफ्ट लेकिन अट्रैक्टिव वाइब दे रहा है।

उनके फेशियल एक्सप्रेशन्स की बात करें तो कैमरे के सामने पलक का कॉन्फिडेंस देखते ही बनता है। कभी वे कैमरे की तरफ इंटेंस और सेडक्टिव लुक देती नजर आ रही हैं, तो कभी अपनी उंगलियों से होंठों और चेहरे को सहलाते हुए सेंसुअस एक्सप्रेशन्स दे रही हैं।

पलक तिवारी की इन तस्वीरों के शेयर होते ही फैंस और सेलेब्स के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। यूजर्स कमेंट सेक्शन में उन्हें येलो क्वीन, सनशाइन गर्ल, स्टनिंग और एब्सोल्यूट गॉर्जियस कहकर बुला रहे हैं।

श्रद्धा कपूर ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब



अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर सवाल-जवाब के सेशन के दौरान फैंस से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन आलोचना और नकारात्मक टिप्पणियों पर अपनी राय रखी। श्रद्धा ने कहा कि वह ऐसे कमेंट्स का जवाब देने में समय गंवाने के बजाय अपने काम पर ध्यान देना पसंद करती हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब आगामी फिल्म ईथा में उनके मराठी लहजे और संवाद अदायगी को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना हो रही है।

श्रद्धा से बातचीत के दौरान जब एक फैन ने पूछा कि वह आलोचनाओं से कैसे निपटती हैं, तो श्रद्धा ने कहा, सच कहूं तो, मैं आलोचनाओं को संभालती ही नहीं। इसमें संभालने जैसा है ही क्या? मैं तो अपना व्हाट्सएप भी ठीक से नहीं संभाल पाती हूं। मेरा कोई मैनेजर भी नहीं है और न ही मैं किसी एजेंसी से जुड़ी हूं। मेरे दोस्त, निर्देशक और निर्माता मुझे अक्सर डांटते रहते हैं कि मैं अपना फोन चेक नहीं करती हूं।

श्रद्धा ने आगे कहा, मुझे आलोचनाओं से निपटने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं बस काम करना चाहती हूं और ज्यादा से ज्यादा काम करना चाहती हूं। बस इतना ही। बता दें श्रद्धा जल्द ही लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी फिल्म ईधा में विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं। विठाबाई लावणी और तमाशा की एक मशहूर कलाकार थीं, जिन्होंने महाराष्ट्र के लोक मनोरंजन में अहम योगदान दिया था।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, समयबद्ध कार्य पूरा करने के निर्देश

अल्मोड़ा (आरएनएस)। विधानसभा निर्वाचन 2027 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में समस्त नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में निर्वाचन से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं, प्रक्रियाओं और चुनाव पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही पूर्व में आयोजित बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन अत्यंत संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, जिसे निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराना पूरे प्रशासन का सामूहिक दायित्व है।

उन्होंने सभी नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों को अपने दायित्वों और भूमिकाओं को लेकर पूरी तरह स्पष्ट रहने तथा निर्वाचन से संबंधित नियमावलियों, दिशा-निर्देशों और निर्धारित प्रक्रियाओं का गहन अध्ययन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपने जिम्मे सौंपे गए कार्य से संबंधित सभी व्यवस्थाओं, आवश्यक संसाधनों और प्रक्रियाओं की जानकारी पहले से सुनिश्चित कर लें। निर्वाचन कार्यों में किसी भी स्तर पर अस्पष्टता, लापरवाही अथवा अंतिम समय में अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि निर्वाचन से संबंधित सभी तैयारियां सुव्यवस्थित कार्ययोजना के अनुरूप समय से पूरी की जाएं।

उन्होंने निर्वाचन कार्यों के लिए आवश्यक कार्मिकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा उनके प्रशिक्षण की विस्तृत कार्ययोजना पहले से तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

जिलाधिकारी ने बैठक में बिना पूर्व सूचना अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने ऐसे सभी अधिकारियों को तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठकों एवं निर्धारित निर्वाचन कार्यों में अपनी उपस्थिति और सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी अभिमन्यु सिंह, अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, परियोजना निदेशक के.एन. तिवारी सहित समस्त संबंधित नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वस्थ जीवनशैली से काफी हद तक टाला जा सकता मधुमेहः डॉ.शाह

नगर संवाददाता

हरिद्वार। बदलती जीवनशैली, शहरीकरण, असंतुलित खानपान, शारीरिक निष्क्रियता, मोटापा, मानसिक तनाव और अपर्याप्त नींद मधुमेह के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। मधुमेह आज विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बन चुका है। विशेष रूप से भारत जैसे विकासशील देशों में मधुमेह के तेजी से बढ़ते मामलों ने चिकित्सा जगत, समाज और सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती प्रस्तुत की है।



विश्व मधुमेह दिवस पर शनिवार को स्वामी विवेकानंद हैल्थ मिशन सोसायटी द्वारा संचालित स्वामी रामप्रकाश चौरिटेबिल हॉस्पिटल में आयोजित स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर में डा.संजय शाह मेडिकल डायरेक्टर, प्रदेश उपाध्यक्ष इंडियन मेडिकल एसोसिएशन एवं पूर्व अध्यक्ष आरएसएसडीआई उत्तराखंड ने बताया कि मधुमेह की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शुरुआती वर्षों में इसके स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। कई बार लोगों को इस बीमारी का पता तब चलता है, जब हृदय, गुर्दे, आंखों, नसों अथवा रक्त वाहिकाओं से संबंधित जटिलताएं विकसित हो चुकी होती हैं।

उन्होंने कहा कि विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर हमें मधुमेह के प्रति जागरूकता बढ़ाने, इसकी रोकथाम, समय पर पहचान तथा प्रभावी उपचार के लिए सामूहिक संकल्प लेने की आवश्यकता है। इस वर्ष की थीम ''मधुमेह पर समय रहते कार्रवाई'' है। मधुमेह की समय रहते पहचान होने पर गंभीर जटिलताओं को रोकने का अवसर मिलता है। जिन लोगों के परिवार में मधुमेह का इतिहास है, जिनका वजन अधिक है, पेट के आसपास चर्बी अधिक है, जो शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं हैं अथवा उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की समस्या से ग्रस्त हैं, उन्हें चिकित्सकीय सलाह के अनुसार नियमित रूप से रक्त शर्करा की जांच करानी चाहिए। अत्यधिक प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, बिना कारण वजन घटना, थकान और धुंधला दिखाई देना मधुमेह के महत्वपूर्ण चेतावनी संकेत हैं। हालांकि, लक्षणों का न होना मधुमेह न होने की गारंटी नहीं है।

डा.शाह ने बताया कि मधुमेह के अनेक मामलों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर रोका अथवा इसके होने की संभावना को काफी हद तक टाला जा सकता है। इसके अतिरिक्त संतुलित एवं पौष्टिक आहार जिसमें ताजी सब्जियां, फल, साबुत अनाज और फाइबर युक्त भोजन को प्राथमिकता दें। मैदा, अत्यधिक परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट, मीठे पेय पदार्थ और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन कम करें। नियमित शारीरिक गतिविधि, व्यायाम करें, वजन नियंत्रित रखें, पर्याप्त नींद लें, तनाव का प्रबंधन करें, तंबाकू से दूर रहें और नियमित स्वास्थ्य जांच कराते रहें।

डा. शाह ने बताया कि हमें पैदल चलने, योगाभ्यास, पारंपरिक संतुलित खानपान और सक्रिय सामुदायिक जीवन को प्रोत्साहित करना चाहिए। जो व्यक्ति पहले से मधुमेह से पीड़ित हैं, उनके लिए केवल रक्त शर्करा को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि भविष्य में होने वाली जटिलताओं को रोकना और उन्हें स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन प्रदान करना होना चाहिए।

रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की नियमित जांच के साथ-साथ गुर्दों की कार्यक्षमता, आंखों की जांच, पैरों की देखभाल और हृदय संबंधी जोखिमों का समय-समय पर मूल्यांकन आवश्यक है।

सू- दोकू क्र .67

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.66 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

हल्द्वानी में भूजल स्तर बढ़ाने को बनेंगे 27 रिचार्ज शाफ्ट

हल्द्वानी(आरएनएस)। हल्द्वानी में लगातार गिरते भूजल स्तर को थामने के लिए 27 स्थानों पर रिचार्ज शाफ्ट बनाए जाएंगे। उत्तराखंड शहरी विकास एजेंसी (यूयूएसडीए) ने इसके लिए कार्ययोजना तैयार की है। अब तक छह स्थानों पर रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण पूरा किया जा चुका है। इनके माध्यम से बारिश के पानी को जमीन के भीतर पहुंचाकर भूजल स्तर में सुधार किया जाएगा। हल्द्वानी में पेयजल की मांग पूरी करने के लिए ट्यूबवेल के माध्यम से लगातार भूजल का दोहन किया जा रहा है। दूसरी ओर, तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण बारिश का पानी जमीन में समाहित नहीं हो पाता। यह पानी सड़कों और नालों से बहकर निकल जाता है।

इसके चलते शहर में हर साल भूजल स्तर करीब पांच फीट तक नीचे खिसक रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए यूयूएसडीए ने रिचार्ज शाफ्ट बनाने की पहल की है। योजना के तहत ऐसे स्थानों को चिह्नित किया जा रहा है, जहां बारिश के दौरान पानी जमा होता है। पार्कों, सरकारी परिसरों, स्कूलों, सड़कों के किनारे और खाली जमीन पर इनका निर्माण किया जाएगा। शाफ्ट के जरिये छतों और सड़कों से एकत्र होने वाले बारिश के पानी को जमीन के भीतर पहुंचाया जाएगा। विभाग के अनुसार, प्रत्येक स्थान की भौगोलिक स्थिति के आधार पर रिचार्ज शाफ्ट की गहराई और क्षमता निर्धारित की जाएगी। निर्माण के बाद इनकी नियमित सफाई और रखरखाव भी किया जाएगा, ताकि ये लंबे समय तक प्रभावी ढंग से काम कर सकें। यूयूएसडीए के परियोजना प्रबंधक कुलदीप सिंह ने बताया कि रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण शुरू कर दिया गया है। अब तक छह का निर्माण पूरा हो चुका है। जल्द ही शेष स्थानों पर भी निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा

जनगणना के लिए 16 नवंबर से शुरू होगी स्वगणना की प्रक्रिया

हरिद्वार(आरएनएस)। जनगणना के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कलक्ट्रेट सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी अधिकारियों को जनगणना से जुड़े कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा करने और आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। इसमें नागरिक अपने परिवार से संबंधित 40 सवालों के जवाब स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। बाद में प्रगणक घर-घर पहुंचकर दर्ज जानकारी का सत्यापन करेंगे। इससे जनगणना की प्रक्रिया में समय की बचत होगी और कार्य अधिक सरल एवं व्यवस्थित तरीके से पूरा हो सकेगा। उन्होंने बताया कि जनगणना के प्रथम चरण में जिले के करीब नौ हजार नागरिकों ने स्वगणना में भाग लिया था। इस बार 30 हजार से अधिक नागरिकों की सहभागिता का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सरकारी कार्यालयों, पुलिस थानों, तहसीलों, अस्पतालों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर होर्डिंग-बैनर लगाए जाएंगे। स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम होंगे। सोशल मीडिया, व्हाट्सएप, नगर निगम के कूड़ा संग्रहण वाहनों और सिनेमा हॉल के माध्यम से भी प्रचार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने नागरिकों से अपील की कि वे निर्धारित अवधि में स्वगणना कर अपने परिवार, मित्रों और पड़ोसियों को भी इसके लिए प्रेरित करें। बैठक में मुख्य नगर आयुक्त नंदन कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी वैभव गुप्ता, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार पंत, डीपीआरओ अतुल प्रताप सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) अभिषेक शुक्ला, तहसीलदार सचिन कुमार, उप नगर आयुक्त रुड़की अमरजीत कौर, खंड विकास अधिकारी नारसन पवन सिंह सैनी, खानपुर के आलोक गार्गेय और रुड़की की सुमन कोठियाल सहित अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी भी मौजूद रहे।

साल्ड गांव में 14 दिसंबर से होगा जिला स्तरीय खेल महोत्सव

उत्तरकाशी(आरएनएस)। श्री जगन्नाथ धाम खेल एवं जनकल्याण समिति वरुणाघाटी की ओर से साल्ड गांव में 14 से 18 दिसंबर तक जिला स्तरीय खेल महोत्सव आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में स्थानीय और पारंपरिक खेलों की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष अजय राणा ने बताया कि महोत्सव में महिलाओं के लिए खो-खो, रस्साकशी, पिट्ठू, सात पत्थर और कुर्सी दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा वॉलीबाल, शतरंज, कैरम और लूडो प्रतियोगिताएं भी होंगी। प्रतियोगिताओं में अधिकतर स्थानीय खेलों को शामिल किया गया है, ताकि पारंपरिक खेलों को बढ़ावा मिल सके।

आमने-सामने बजरंग दल और पुलिस

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

अथवा किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। संगठन का कहना है कि सभी सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल होनी चाहिए और यदि किसी पुलिसकर्मी की भूमिका संदिग्ध पाई जाती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। संगठन ने चेतावनी दी है कि मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर न्याय के लिए उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय तक लड़ाई लड़ने की बात भी कही गई है। इस बीच गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेशी के लिए ले जाते समय पुलिस वाहन खराब होने और पुलिसकर्मियों द्वारा उन्हें पैदल न्यायालय ले जाने का वीडियो भी चर्चा में रहा। इस घटनाक्रम ने मामले को और सुर्खियों में ला दिया। इस पूरे प्रकरण में फिलहाल पुलिस की ओर से बजरंग दल के आरोपों और सीबीआई जांच की मांग पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में पुलिस के सामने अब दोहरी चुनौती है। एक ओर उसे लूट की वारदात में शामिल सभी आरोपियों की भूमिका, रकम की बरामदगी और घटना की पूरी कड़ियों का खुलासा करना है, वहीं दूसरी ओर हिरासत में प्रताड़ना के आरोपों पर भी जवाब देना होगा। 14 लाख रुपये की लूट का मामला अब संगठन बनाम पुलिस की लड़ाई में बदलता दिखाई दे रहा है। लेकिन इस टकराव के बीच मूल सवाल कहीं पीछे नहीं छूटना चाहिए। आखिर सात नवंबर को इंद्रेश अस्पताल के पास हुआ क्या था? लूट की पूरी रकम कहां गई? सीसीटीवी फुटेज में क्या दर्ज है? और सिद्धांत बड़ोनी की वास्तविक भूमिका क्या है? इन सवालों का जवाब न संगठन के आरोपों से मिलेगा और न पुलिस के दावों से। जवाब निष्पक्ष जांच, ठोस साक्ष्यों और पारदर्शी कार्रवाई से ही सामने आएगा। कानून की विश्वसनीयता इसी में है कि न किसी आरोपी को संगठन की ताकत के दम पर बचाया जाए और न पुलिस की वर्दी के दम पर किसी के अधिकारों का उल्लंघन हो।

नेताओं की 'जन्मकुंडली' खेल..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

पर जनता को संतोषजनक जवाब कब देगी?

अंकिता भंडारी हत्याकांड उत्तराखंड की सामूहिक चेतना से जुड़ा मामला है। यह केवल एक युवती की हत्या का मामला नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर सवाल है जिसमें एक सामान्य परिवार की बेटी की सुरक्षा, सम्मान और न्याय की लड़ाई को इतने लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा। इस मामले में दोषियों को सजा मिलना न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन कथित वीआईपी की भूमिका को लेकर उठे सवालों का जवाब देना भी जरूरी है। किसी व्यक्ति पर आरोप लगना और उसका दोष सिद्ध होना अलग बातें हैं। इसलिए इस पूरे प्रकरण में न राजनीतिक आरोपों को प्रमाण माना जा सकता है और न सवाल उठाने वालों को चुप कराना समाधान है।

हरक इसी संवेदनशील मुद्दे को भाजपा के खिलाफ राजनीतिक हथियार बना रहे हैं। भाजपा के लिए मुश्किल यह है कि जेनी प्रकरण पर हरक से सवाल पूछना जितना आसान है, अंकिता प्रकरण पर उठ रहे सवालों का जवाब देना उतना ही जरूरी है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी लड़ाई को जनता की बहस का केंद्र बनाना चाहते हैं। भाजपा की रणनीति हरक को उनके पुराने विवादों में उलझाने की दिखाई देती है। इससे कांग्रेस का एक प्रमुख चेहरा लगातार सफाई देने की स्थिति में आ सकता है। दूसरी ओर हरक भाजपा को उसके शासनकाल की जवाबदेही से जोड़कर राजनीतिक बढ़त हासिल करना चाहते हैं।

यहां भाजपा के सामने भी चुनौती कम नहीं है। सत्ता में रहने वाले दल से सवाल अधिक पूछे जाते हैं। विपक्ष के आरोपों का जवाब देना और अपने कामकाज का हिसाब देना उसकी जिम्मेदारी होती है। केवल पुराने विवादों को उछालकर सरकार अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकती। इसी तरह हरक भी केवल भाजपा पर सवाल उठाकर अपने ऊपर लगे आरोपों से मुक्त नहीं हो सकते। दोनों को अपने-अपने सवालों का जवाब देना होगा। उत्तराखंड की राजनीति में व्यक्तिगत हमले कोई नई बात नहीं हैं। लेकिन हर चुनाव से पहले जब बेरोजगारी, पलायन, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पहाड़ की बदहाली जैसे सवाल पीछे धकेल दिए जाते हैं, तब नुकसान केवल राजनीतिक विमर्श का नहीं, प्रदेश की जनता का होता है।

भाजपा हरक के अतीत को चुनावी मुद्दा बनाना चाहती है तो हरक भाजपा के शासनकाल के संवेदनशील सवालों को चुनावी बहस में बनाए रखना चाहते हैं। दोनों की रणनीति में राजनीतिक लाभ का गणित है। मगर इस गणित में जनता कहां है? अंकिता को न्याय दिलाने की लड़ाई कहां है? युवाओं के रोजगार और पहाड़ के भविष्य का सवाल कहां है? फिलहाल भाजपा ने हरक के अतीत का पिटारा खोल दिया है और हरक ने भाजपा के सामने अंकिता का सवाल रख दिया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि 2027 तक कौन किसे अपने नैरेटिव में उलझाकर रखता है। लेकिन एक बात साफ है कि सत्ता की इस शह-मात में नेता एक-दूसरे की कुंडली खंगाल रहे हैं, जबकि जनता प्रदेश की कुंडली बदलने का इंतजार कर रही है।

सीएम व मंत्रियों के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान

हमारे संवाददाता

देहरादून। कैंट विधानसभा के काँवली क्षेत्र में उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अभिनव थापर के नेतृत्व में आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे मंत्रियों रेखा आर्या, गणेश जोशी और धन सिंह रावत के खिलाफ कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान के तहत सघन जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान क्षेत्र के लोगों से हस्ताक्षर करवाकर प्रदेश सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने और अभियान में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की गई।



इस अवसर पर अभिनव थापर ने कहा कि उत्तराखंड में भाजपा सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार के आरोपों, अनियमितताओं और जनविरोधी नीतियों को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रदेश की जनता सरकार से जवाबदेही चाहती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इन मामलों में अपनी जिम्मेदारी तय करते हुए संबंधित मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे मंत्रियों को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देना चाहिए और प्रदेश की जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। अभिनव थापर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से प्रदेश की जनता की आवाज को एकजुट कर रही है। आगामी 23 नवंबर को कांग्रेस पार्टी हस्ताक्षरों के साथ महामहिम राज्यपाल महोदय को ज्ञापन सौंपकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं संबंधित मंत्रियों के इस्तीफे की मांग करेगी। कांग्रेस जनता के अधिकारों, पारदर्शिता और जवाबदेह शासन के लिए सड़क से लेकर सदन तक अपनी लड़ाई पूरी मजबूती से जारी रखेगी। इस अवसर पर वार्ड अध्यक्ष अनीता दास, मालती देवी, विमलेश वर्मा, अवधेश कुमार, डॉ. दीपक बिष्ट सहित काँवली क्षेत्र के अन्य गणमान्य नागरिकों, क्षेत्रवासियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अभियान में भाग लेकर अपना समर्थन एवं सहभागिता दर्ज कराई।

भाजपा सरकार आंदोनकारी विरोधी हैः धीरेन्द्र प्रताप

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार आंदोलनकारी विरोधी है और अभी तक आंदोलनकारियों का चिन्हिकरण नहीं हो पाया है।

आज यहां कांग्रेस भवन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आंदोलनकारियों की विरोधी है। कांग्रेस सरकार ने आंदोलनकारियों को नौकरी देने व आईटीआई सहित विभिन्न विभागों में आरक्षण व सरकारी नौकरी देने का प्रस्ताव लाया गया था लेकिन भाजपा सरकार ने उसको निरस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार आयेगी तो वह गैरसैण को राजधानी बनायेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अंकिता भण्डारी के केस को दबाने के लिए उर्मिला सनावर को लेकर आ गये। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का दावा है कि उर्मिला सनावर का नार्को टेस्ट गुजरात में कराया जायेगा जो कि आरएसएस व भाजपा की सोची समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति राजनीति में आ जाता है उसको कोई मामले व्यक्तिगत नहीं होता है। उन्होंने लैसडाउन विधायक दलीप रावत के बयान की निन्दा करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड वीरों की भूमि है। उन्होंने भाजपा नेताओं की आय से अधिक सम्पत्ति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इस सम्बन्ध में भाजपा सरकार कब कार्यवाही करेगी। उन्होंने कहा कि 23 नवम्बर को उनकी प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलेजा दून आ रही है। उसी दिन कुमारी शैलेजा के साथ राज्यपाल से मुलाकात कर उनको ज्ञापन सौंपा जायेगा। इस अवसर पर मनीष नागपाल लाखी राम बिजल्वाण भी मौजूद रहे।

इंटरलॉकिंग टाइल्स से सड़क निर्माण कार्यों का विधायक ने किया शिलान्यास

संवाददाता

देहरादून। सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुण्डीर ने इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया।

आज सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुण्डीर ने सहसपुर विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम शुक्लापुर में क्षेत्रवासियों की सुविधा एवं आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से आंतरिक मार्गों पर इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि इन मार्गों के निर्माण से स्थानीय निवासियों को आवागमन में बेहतर सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र की आधारभूत संरचना और अधिक सुदृढ़ होगी। साथ ही, स्थानीय लोगों को दैनिक आवागमन में होने वाली परेशानियों से भी राहत मिलेगी। विधायक पुण्डीर ने कहा कि सहसपुर विधानसभा क्षेत्र का समग्र, संतुलित एवं सतत विकास सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनहित एवं विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ धरातल पर उतार रही है। हमारा निरंतर प्रयास है कि विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव एवं प्रत्येक मोहल्ले तक विकास कार्यों का लाभ पहुंचे तथा आमजन को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों।

इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य रुचि भट्ट, शकुंतला, उत्तम गुसाईं, अरुण भट्ट, लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता मान सिंह सहित बड़ी संख्या में सम्मानित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

एनएसयूआई ने एवीबीपी का पुतला दहन कर किया प्रदर्शन

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी में 16 वर्षीय नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में एवीबीपी के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी पर लगे आरोपों को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने आज कड़ा विरोध दर्ज कराया। इस घटना के विरोध में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने एवीबीपी का पुतला दहन कर प्रदर्शन किया।



यह कार्यक्रम एनएसयूआई जिलाध्यक्ष देहरादून हिमांशु रावत के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए पीड़िता को न्याय दिलाने, मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कहा कि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा समाज की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी संगठन से जुड़ा व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं हो सकता। ऐसे गंभीर मामलों में राजनीतिक या संगठनात्मक प्रभाव से परे निष्पक्ष जांच और न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। एनएसयूआई ने स्पष्ट किया कि पीड़िता को न्याय दिलाने और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आवाज उठाने के लिए संगठन अपनी लोकतांत्रिक लड़ाई जारी रखेगा।

कार-बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत



हमारे संवाददाता

नैनीताल। कालाढूंगी क्षेत्र में बेलपड़ाव के पास बीती देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार और मोटरसाइकिल के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर अस्पताल भिजवाया। पुलिस फरार कार चालक की तलाश के साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी है।

पुलिस के अनुसार बीती देर रात करीब 9.31 बजे डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि आईआरबी बेलपड़ाव से कुछ पहले कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गई है। सूचना मिलते ही संबंधित चौकी और थाने की पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो डियर डोना रिजॉर्ट से करीब 100 मीटर पहले बेलपड़ाव में सड़क किनारे एक कार और डिस्कवर मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी मिलीं।

दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दोनों युवकों की जान चली गई थी। पुलिस ने मृतकों की पहचान कोटाबाग क्षेत्र के धामड़देव निवासी गौरव बजवाल पुत्र पुष्कर बजवाल और गिनती गांव निवासी दर्शन सिंह के रूप में की है। हादसे की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। दोनों युवकों की असमय मौत से उनके परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

पुलिस के मुताबिक घटनास्थल पर कार चालक मौजूद नहीं मिला। आशंका है कि हादसे के बाद वह मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रामनगर भिजवाए, जहां आगे की आवश्यक कार्रवाई की गई। चौकी प्रभारी राजवीर सिंह नेगी ने बताया कि फिलहाल दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों की स्थिति और घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे की परिस्थितियों का पता लगाया जा रहा है। साथ ही कार चालक की तलाश भी की जा रही है, ताकि दुर्घटना के संबंध में उससे पूछताछ की जा सके।

तेज रफ्तार बाइक बनी काल, सड़क हादसे में युवक ने तोड़ा दम

हमारे संवाददाता

गरियाबंद। जिले के अमलीपदर थाना क्षेत्र में आज एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। अमलीपदर-ध्रुवागुड़ी मार्ग पर हाथी बंद के पास तेज रफ्तार बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित खेत में जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।



जानकारी के मुताबिक, आज सुबह एक युवक बाइक पर सवार होकर अमलीपदर-ध्रुवा मार्ग से गुजर रहा था। इसी दौरान हाथी बंद के पास अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई। युवक वाहन पर अपना नियंत्रण नहीं रख सका और बाइक सीधे सड़क किनारे स्थित खेत में जा घुसी। दुर्घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद मार्ग से गुजर रहे लोगों की नजर खेत में दुर्घटनाग्रस्त बाइक और युवक पर पड़ी। इसके बाद सड़क हादसे की जानकारी सामने आई। राहगीरों ने तत्काल घटना की सूचना अमलीपदर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई और मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया। हालांकि, शुरुआती कार्रवाई के दौरान युवक की पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार किया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दो पिकअप वाहनों में ठूंसकर भरे मिले 11 मवेशी, दो चालक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता



नैनीताल। रामनगर में पशुओं के साथ क्रूरता का मामला सामने आया है। पुलिस ने रात्रि चेकिंग के दौरान शक्तिनगर में दो पिकअप वाहनों से कुल 11 मवेशियों को बरामद किया है। आरोप है कि पशुओं को वाहनों के अंदर रस्सियों से बांधकर बेहद कष्टदायक और दयनीय स्थिति में ठूंस-ठूंसकर भरा गया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 14 नवंबर की रात उपनिरीक्षक सोमेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक सूचना मिली कि शक्तिनगर में मारूफ के घर के पास दो पिकअप वाहनों में पशुओं को क्रूरतापूर्वक ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो एक पिकअप में दो भैंस और चार भैंस के बच्चे मिले, जबकि दूसरी पिकअप में तीन भैंस, एक बड़ा कटरा और एक भैंस का बच्चा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से निजाम पुत्र मकसूद अली निवासी भोजपुर, मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश), उम्र 39 वर्ष और मारूफ पुत्र मोहम्मद रऊफ निवासी शक्तिनगर, रामनगर, उम्र 35 वर्ष को पकड़ा। दोनों के खिलाफ थाना रामनगर में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया है।

चरस के साथ दो लोग गिरफ्तार

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने चरस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार ड्रग्स फ्री देवभूमि एवं नशामुक्त अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु उत्तरकाशी पुलिस द्वारा लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाते हुए नशा तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस उपाधीक्षक, जनक सिंह पंवार के निकट पर्यवेक्षण एवं प्रभारी



निरीक्षक बड़कोट, सुभाष चन्द्र के नेतृत्व में कोतवाली बड़कोट पुलिस द्वारा सांय को बड़कोट के कृष्णा खड्ड के समीप चेकिंग के दौरान वाहन अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों प्रवेश सिंह पुत्र बलदेव सिंह, निवासी पाणीगांव, पुरोला एवं शिवम सिंह पुत्र उपेन्द्र सिंह, निवासी बिणाई, पुरोला को चरस का परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया। युवकों के कब्जे से 220 ग्राम चरस बरामद की गई। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर दोनों के विरुद्ध कोतवाली बड़कोट में मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया गया। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। उत्तरकाशी पुलिस द्वारा अवैध नशे के कारोबार के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2026 में अब तक एनडीपीएस एक्ट के तहत कुल 33 मुकदमें दर्ज कर 46 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस दौरान लगभग 62 लाख कीमत की 13.8 किलोग्राम से अधिक चरस एवं 88.21 ग्राम स्मैक बरामद की गई है। इसके अतिरिक्त नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त 04 नशा तस्करों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है।

अलग-अलग हादसों में महिला और युवक की मौत

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रुड़की और पिरान कलियर क्षेत्र में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक महिला और एक युवक की जान चली गई।

पहली घटना पिरान कलियर कोतवाली क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, दौलतपुर गांव निवासी अनुज पुत्र शिवराम स्कूटर से धनौरी की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक मिनी ट्रक ने उसके स्कूटर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अनुज गंभीर रूप से घायल हो गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर धनौरी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मिनी ट्रक को भी कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश की जा रही है।

◆सालियर हाईवे पर महिला की मौत के बाद लोगों ने लगाया जाम

दूसरा हादसा आज सुबह रुड़की गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के सालियर गांव के पास हाईवे पर हुआ। बताया जा रहा है कि बिजनौर निवासी एक परिवार बाइक से अपने घर जा रहा था। बाइक पर महिला जावेदा (29), उनके पति मोहम्मद मुसाद और दो बच्चे सवार थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में जावेदा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति और दोनों बच्चे सुरक्षित बच गए। मां की मौत के बाद बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों के लिए भी यह दृश्य बेहद पीड़ादायक था। महिला की मौत से नाराज लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित हो गया। सूचना पर गंगनहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने हाईवे से जाम खुलवाया और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए रुड़की सिविल अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया।

एसपी देहात अभय सिंह के मुताबिक, दोनों हादसों में मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है और उनके चालकों की तलाश की जा रही है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।